| शैक्षणिक सत्र 2026 -2027 के लिए पाठयक्रम | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| कक्षा -III | | | | | |
| विषय - हिंदी | | | | | |
| **क्र. सं.** | **माह** | **अध्याय का नाम** | **दक्षताएँ** | **सीखने के प्रतिफल** | **अनुभव / कला / खेल / प्रौद्योगिकी आदि आधारित सुझावित गतिविधियाँ** |
| **सत्र 1** | | | | | |
| 1 | अप्रैल-मई | सीखो | हिन्दी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनने /प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने, प्रतिक्रिया देने के अवसर उपलब्ध हों।<br><br>सुनी, देखी बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में लिखने के अवसर हों। | कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही लय के साथ सुनाते हैं।<br>सुनी हुई रचनाओ की विषय-वस्तु, घटनाओं , पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, अपनी प्रतिक्रिया/राय देते हैं, अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं।<br>आस-पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओ और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनभुवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं। | अनुभवात्मक अधिगम - शिक्षक बच्चों से चर्चा कर सकते हैं कि आज स्कूल आते समय आपने रास्ते में कौन- कौन सी प्राकृतिक वस्तुएँ देखीं एवं उनसे क्या सीखा? (जैसे - पक्षी, पेड़, सूरज)<br>**कौशल विकास -**<br>अध्यापक अपने अनुसार कोई भी कहानी शुरू करेगा फिर बच्चे उस कहानी को पूरा करेंगे।<br>(सभी बच्चे एक दूसरे को सुनेंगे और एक-एक वाक्य बोलकर कहानी को पूरा करेंगे।) |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 2 | अप्रैल-मई | चींटी | बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समचित स्थान मिल सकेगा और उनके शब्द-भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे। | कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।<br><br>तरह-तरह की रचनाओं /सामग्री (कक्षा पुस्तकालय की पुस्तक, बाल पत्रिका आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक/ लिखित रूप से) देते हैं। | शब्द लड़ी - तुकबंदी वाले शब्द ( रेल, खेल, मेल, बेल, जेल)।<br><br>**कौशल विकास -**<br><br>बच्चे चींटी का चित्र बनाकर उस पर 3-4 वाक्य लिखेंगे<br><br>अध्यापक बच्चों के साथ परिश्रम के महत्त्व पर चर्चा करेंगे। |
| 3 | अप्रैल-मई | कितने पैर | अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हों।<br><br>'पढ़ने का कोना'/पुस्तकालय में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की रोचक सामग्री, जैस– बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो सामग्री उपलब्ध हो। | आस-पास होने वाली गतिविधियों/ घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनभुवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं।<br>अलग-अलग तरह की रचनाओं/ सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं। | अभिनय से अधिगम - शिक्षक बच्चों से पाठ का नाट्य रूपांतरण करा सकते हैं।<br><br>कौशल विकास -<br><br>"कितने पैर?" नामक खेल (बोर्ड/फ्लैश कार्ड के माध्यम से)। जैसे - शिक्षक / शिक्षिका फ्लैश कार्ड/बोर्ड पर जानवर, पक्षी, कीड़े दिखाएँ। बच्चों से पूछें: "इस जानवर/पक्षी/कीड़े के कितने पैर हैं?" उत्तर सुनें और सही जवाब पर प्रोत्साहित करें। |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे– किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, किसी जानकारी को निकाल पाना, किसी घटना या पात्र के संबंध में तर्क, अपनी राय दे पाना आदि। | | **बच्चों से कॉपी में अपने आसपास के जानवरों के चित्र बनवाकर उनके नाम और पैरों की संख्या लिखवाएँ या बुलवाएँ।** |
| 4 | जुलाई-सितंबर | बया हमारी चिड़िया रानी! | हिन्दी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनने /प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने, प्रतिक्रिया देने के अवसर उपलब्ध हों।<br><br>सुनी,देखी बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में लिखने के अवसर हों। | कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही लय के साथ सुनाते हैं।<br>अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ सुनिश्चित करते हैं।<br>तरह-तरह की कहानियों, कविताओं/ रचनाओं की भाषा की बारीकियों (जैसे– शब्दों की पुनरावृत्ति, संज्ञा, सर्वनाम, विभिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करते हैं। | ICT अधिगम- डिजिटल उपकरणों के माध्यम से बच्चों को पक्षियों की वीडियो दिखाकर उनकी आवाज की नकल करना एवं चर्चा करना।<br><br>गतिविधि - काग़ज़ से चिड़िया बनाना।<br>अनुभवात्मक अधिगम – शिक्षक / शिक्षिका बच्चों की मदद से शब्द पेटी बनाएँ। **बच्चे** शब्द पेटी में से नाम वाले शब्द छाटें व उन्हें व्यक्ति, जाति व भाव के आधार पर वर्गीकृत करें। |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 5 | जुलाई-सितंबर | आम का पेड़ | बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जिन भाषाओं को बोलने वाले बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समचिुत स्थान मिल सकेगा और उनके शब्द-भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे।<br><br>विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे– किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, किसी जानकारी को निकाल पाना, किसी घटना या पात्र के संबंध में तर्क, अपनी राय दे पाना आदि। | आस-पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओ और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनभुवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं।<br>तरह-तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक/लिखित रूप से) देते हैं।<br>स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अतंर्गत वर्तनी के प्रति सचेत होते हुए स्व-नियंत्रित लेखन (कन्वेंशनल राइटिंग) करते हैं।<br>विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विरामचिह्नों, जैसे– पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं। | अनुभवात्मक अधिगम - **बच्चे** अपने आस पास से किन्हीं 5 पेड़ों के पत्ते अपनी कॉपी में चिपकाएँ व उन पेड़ों के नाम **भी** लिखें।<br><br>कौशल विकास -<br><br>**बच्चे आम के पेड़ का चित्र बनाएँ व रंग भरें।**<br><br>**“पेड़ हमें क्या-क्या देते हैं?” पर चर्चा।**<br><br>**बच्चे आम/अन्य पेड़ों के नाम लिखे।**<br><br>**आम से जुड़े शब्दों पर शब्द-खेल। उदाहरण- ब्लैकबोर्ड पर बीच में लिखें - आम**<br>**अब बच्चों से पूछें - “आम से जुड़ी चीज़ें बताओ।”**<br>**बच्चे बोलेंगे और अध्यापक बोर्ड पर लिखेंगे जैसे - आम, आमरस, आमचूर, कच्चा आम, पका आम, गुठली, छिलका, पत्ता, पेड़, बाग, मिठास आदि।** |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 6 | जुलाई-सितंबर | बीरबल की खिचड़ी | 'पढ़ने का कोना'/पुस्तकालय में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की रोचक सामग्री, जैस– बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो सामग्री उपलब्ध हो।<br><br>तरह-तरह की कहानियों, कविताओ, पोस्टर आदि को चित्रों और संदर्भ के आधार पर समझने-समझाने के अवसर उपलब्ध हों। | कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।<br>कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट साथ सुनाते हैं। | **अनुभवात्मक अधिगम** - घर जाकर अपने मनपसंद व्यंजन को बनाने की विधि पता करें फिर उसे अपने शब्दों में कॉपी में लिखें।<br><br>**कौशल विकास** -<br><br>सवाल-जवाब (कहानी के मुख्य बिंदुओं पर आधारित)<br>चित्र बनाना (बीरबल खिचड़ी पकाते हुए)<br>शब्द खेल (पाठ में आये नए शब्दों से वाक्य बनाना)<br>रचनात्मक लेखन (बीरबल की नई समस्या और उसका हल) |
| 7 | जुलाई-सितंबर | मित्र को पत्र | अपनी भाषा गढ़ने (नए शब्द/वाक्य/अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर हों।<br>संदर्भ और उद्देश्य के अनसार उपयुक्त शब्दों और वाक्यों का चयन करने, उनकी संरचना करने के अवसर उपलब्ध हों।<br>अपना परिवार, विद्यालय, मोहल्ला,खेल का मैदान, गाँव की चौपाल जैसे विषयों पर | तरह-तरह की कहानियों, कविताओ/रंचनाओ की भाषा की बारीकियों (जैस– शब्दों की पुनरावृत्ति , संज्ञा, सर्वनाम, विभिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करत हैं।<br>अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं। | शब्द रेल (शिक्षक बोर्ड पर एक शब्द लिखेंगे जैसे छुट्टी, इसमें अंतिम वर्ण ट है तो रेल में अगला शब्द ट से टमाटर होगा।<br>**नोट** - जब बच्चे और अधिक शब्द न बता पाएँ तो शिक्षक एक नए शब्द से नई रेल की शुरुआत कर सकते हैं।<br>**कला एकीकृत अधिगम** - नॉर्थ ईस्ट के राज्यों की वेशभूषा पहनकर राज्य के उनके बारे में 5-7 शब्द या वाक्य कक्षा में बोलें।<br>**कौशल विकास** -<br>**गतिविधियाँ-** |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | अथवा स्वयं विषय का चुनाव कर अनभुवों को लिखकर एक-दूसरे से बाँटने के अवसर हों। | विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में शब्दों के चुनाव, वाक्य संरचना और लेखन के स्वरूप (जैसे– दोस्त को पत्र लिखना, पत्रिका के संपादक को पत्र लिखना) को लेकर निर्णय लेते हुए लिखते हैं। | पत्र लेखन अभ्यास- बच्चों को अपने मित्र को पत्र लिखने को कहें। पत्र में संपर्क-संबोधन, मुख्य संदेश और समाप्ति शामिल करना सिखाएँ।<br>**पत्र के भागों की पहचान-** बच्चों से कहें कि वे किसी पत्र के तीन मुख्य भाग पहचानें:<br>संबोधन (प्रिय ...)<br>मुख्य सामग्री<br>समापन (आपका मित्र ...)<br>**रोल प्ले :** दो बच्चे मित्रों के रोल में एक-दूसरे का पत्र पढ़ें और जवाब दें। |
| 8 | जुलाई-सितंबर | चतुर गीदड़ | अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हों।<br>हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनाने /प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने, प्रतिक्रिया देने के अवसर उपलब्ध हों।<br>एक-दूसरे की लिखी हुई रचनाओं को सुनने, पढ़ने और उन पर अपनी राय देने, उनमें | कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं।<br>सुनी हुई रचनाओ की विषय-वस्तु, घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, अपनी प्रतिक्रिया एवं राय देते हैं/अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं।<br>अलग-अलग तरह की रचनाओं/ सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/ अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं | **कला एकीकृत अधिगम -** डिस्पोजेबल प्लेट या कप का इस्तेमाल करके कछुए / मगरमच्छ / गीदड़ का चित्र बनाएँ \|<br>**खेल अधिगम** – “जमीन पर तथा पानी में रहने वाले जानवर” - शिक्षक मैदान में एक गोला बनाएंगे और सभी बच्चे गोले के किनारे पर खड़े होंगे जब शिक्षक पानी में रहने वाले जानवरों के नाम बोलेंगे तब बच्चे गोले के अंदर कूदेंगे तथा जब शिक्षक जमीन पे रहने वाले जानवरों के नाम बोलेंगे तब बच्चे गोले के बाहर कूदेंगे।<br>**कौशल विकास -**<br>कहानी के पात्रों (गीदड़ और अन्य जानवर) पर चर्चा करावाएँ। |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | अपनी बात को जोड़ने, बढ़ाने और अलग अलग ढंग से लिखने के अवसर हों। | अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं। | शिक्षक/ शिक्षिका बच्चों से कहानी का नैतिक संदेश बताने को कहें।<br>अपने मनपसंद जानवर का चित्र बनवाकर उस पर दो पंक्तियाँ लिखवाएँ।<br>कहानी में आए कठिन शब्दों के अर्थ लिखवाएँ। |
| 9 | जुलाई-सितंबर | प्रकृति पर्व - फूलदेई | सुनी, देखी बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में लिखने के अवसर हों।<br>अपना परिवार, विद्यालय, मोहल्ला, खेल का मैदान, गाँव की चौपाल जैसे विषयों पर अथवा स्वयं विषय का चुनाव कर अनभुवों को लिखकर एक-दूसरे से बाँटने के अवसर हों। | आस-पास होने वाली गतिविधियों/ घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनभुवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं।<br>स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अतंर्गत वर्तनी के प्रति सचेत होते हुए स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) करते हैं।<br>विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विरामचिह्नों, जैसे– पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं। | **कलात्मक अधिगम** - फूल एवं पत्तों से सजावट का सामान बनाएँ। जैसे तोरण, रंगोली, गणेश आदि।<br>**ICT अधिगम** - K-yan/TAB की सहायता से बच्चों को विभिन्न त्योहारों के चित्र व वीडियो दिखाकर बच्चों से उनके बारे में चर्चा की जा सकती है।<br>**कौशल विकास -**<br>प्रकृति संरक्षण पर नारा लिखवाएँ। जैसे- “पेड़ लगाओ, धरती बचाओ।”<br>प्रकृति को नुकसान पहुँचाने वाली आदतों पर चर्चा कराएँ।<br>बच्चों से पर्यावरण बचाने का एक संकल्प लिखवाएँ। जैसे – “मैं संकल्प लेता/ लेती हूँ कि मैं पेड़-पौधों की रक्षा करूँगा/ करूँगी और पर्यावरण को साफ रखूँगा/ रखूँगी।” |

नोट- उपर्युक्त पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति के साथ मध्यावधि परीक्षा से पहले पूर्ण हो जाना चाहिए।

| सत्र - 2 | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 10 | **अक्टूबर -दिसंबर** | रस्साकशी | बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समचुित स्थान मिल सकेगा और उनके शब्द-भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे।<br><br>'पढ़ने का कोना'/पुस्तकालय में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की रोचक सामग्री, जैस– बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो सामग्री उपलब्ध हो। | आस-पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओ और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनभुवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं।<br><br>अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ सुनिश्चित करते हैं।<br><br>तरह-तरह की कहानियों, कविताओ/रचनाओं की भाषा की बारीकियों (जैस– शब्दों की पुनरावृत्ति , संज्ञा, सर्वनाम, विभिन्न विराम-चिहनों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करते हैं। | • खेल अधिगम - कक्षा में मौजूद खेल उपकरणों का उपयोग करके बच्चों को खेल खिला सकते हैं। (जैसे कैरम, चैस, मोनोपली)।<br>• सभी बच्चे एक गोले में बैठेंगे तथा लय में ताली चुटकी बजाएँगे। गतिविधि की शुरुआत शिक्षक से होगी। शिक्षक एक शब्द बोलेंगे उसके बाद पहला बच्चा ताली/ चुटकी बजाकर उसका तुकबंदी शब्द बोलेगा फिर इसी तरह से बाकी बच्चे इसे आगे बढ़ाएँगे।<br>**कौशल विकास -**<br>• बच्चों से रस्साकशी खेल का अनुभव साझा करवाएँ। रस्साकशी खेल का चित्र बनवाएँ।<br>• खेल के नियमों पर चर्चा कराएँ। टीमवर्क और सहयोग के महत्व पर चर्चा करें।<br>• रस्साकशी से जुड़े शब्दों पर शब्द-भंडार गतिविधि कराएँ।<br>• बच्चों से खेल के फायदे बताने को कहें। |
| 11 | **अक्टूबर -दिसंबर** | एक जादुई पिटारा | विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित | सुनी हुई रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, अपनी प्रतिक्रिया देते हैं, राय | • अनुभवात्मक अधिगम - शिक्षक कक्षा में विभिन्न वस्तुओं का एक पिटारा बना सकते हैं |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे– किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, किसी जानकारी को निकाल पाना, किसी घटना या पात्र के संबंध में तर्क, अपनी राय दे पाना आदि।<br><br>एक-दूसरे की लिखी हुई रचनाओं को सुनने, पढ़ने और उन पर अपनी राय देने, उनमें अपनी बात को जोड़ने, बढ़ाने और अलग अलग ढंग से लिखने के अवसर हों। | बताते हैं/अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं।<br><br>अलग-अलग तरह की रचनाओं/ सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/ अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं। | सभी बच्चे एक वस्तु को पिटारे से निकालकर उसके बारे में कक्षा के सामने बोलेंगे।<br>● कला एकीकृत अधिगम - बच्चे अपनी पसंद के जानवर या गुड़िया का स्टिक पपेट बनाएँगे।<br><br>● **कौशल विकास** -<br>कल्पना से अध्यापक कोई अधूरी कहानी श्यामपट्ट पर लिख दें और बच्चे उस कहानी को पूरा करें। उदाहरण - मेरे पास एक संदूक है। उस संदूक में ..................................। |
| 12 | **अक्टूबर -दिसंबर** | अपना अपना काम | अपना परिवार, विद्यालय, मोहल्ला, खेल का मैदान, गाँव की चौपाल जैसे विषयों पर अथवा स्वयं विषय का चुनाव कर अनभुवों को लिखकर एक-दूसरे से बाँटने के अवसर हों।<br>बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ | अलग-अलग तरह की रचनाओं/ सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/ अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं। | ● **अनुभवात्मक अधिगम** - कल आपने पूरा दिन क्या किया वह लिखो।<br>● **कल्पनात्मक लेखन** - यदि आप एक दिन के लिए कोई भी जानवर बन सकते तो कौन सा बनते एवं वह बनकर आप क्या करते?<br><br>नोट - इसी तरह के और प्रश्न भी बच्चों को लिखने के लिए दिए जा सकते हैं। |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समचित स्थान मिल सकेगा और उनके शब्द-भंडार, अभिव्यक्ति का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे। | स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अतंर्गत वर्तनी के प्रति सचेत होते हुए स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) करते हैं।<br><br>विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विरामचिह्नों, जैसे– पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं। | **कौशल विकास -**<br><br>बच्चों से घर और स्कूल में अपने काम बताने को कहें। काम बाँटने के महत्व पर चर्चा कराएँ। घर व स्कूल के प्रत्येक व्यक्ति के काम की सूची बनवाएँ। |
| 13 | **अक्टूबर -दिसंबर** | पेड़ों की अम्मा – थिकम्मा | अपनी भाषा गढ़ने (नए शब्द/ वाक्य/ अभिव्यक्ति बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर हों।<br><br>संदर्भ और उद्देश्य के अनुसार उपयुक्त शब्दों और वाक्यों का चयन करने, उनकी संरचना करने के अवसर उपलब्ध हों।<br><br>हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनाने/ प्रश्न पूछने एवं अपनी | तरह-तरह की रचनाओं/ सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक/लिखित रूप से) देते हैं।<br>तरह-तरह की कहानियों, कविताओं/ रचनाओं की भाषा की बारीकियों (जैसे– शब्दों की पुनरावृत्ति, संज्ञा, सर्वनाम, विभिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करते हैं।<br>विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में शब्दों के चुनाव, वाक्य संरचना और लेखन के स्वरूप (जैसे– दोस्त को पत्र लिखना, | • **रचनात्मक लेखन** - आपने थिमक्का की कहानी पढ़ी उनकी कहानी पढ़कर आपके मन में जो विचार आए वे पत्र के माध्यम से थिमक्का को बताओ।<br>• **कौशल विकास** –<br>• शिक्षक उन व्यक्तियों की फोटो बच्चों को दिखाएँगे जिन्होंने दूसरों की सहायता कर समाज में प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किये हैं तथा उनपर चर्चा भी करें। जैसे - मदर टेरेसा<br>• बच्चों से थिकम्मा के कार्यों के बारे में चर्चा करवाएँ। |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | बात जोड़ने, प्रतिक्रिया देने के अवसर उपलब्ध हों। | पत्रिका के संपादक को पत्र लिखना) को लेकर निर्णय लेते हुए लिखते हैं। | • पेड़ों के महत्व पर बातचीत कराएँ। |
| 14 | **अक्टूबर -दिसंबर** | किसान की होशियारी | 'पढ़ने का कोना'/पुस्तकालय में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की रोचक सामग्री, जैस– बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो सामग्री उपलब्ध हो।<br><br>सुनी,देखी बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में लिखने के अवसर हों। | कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।<br><br>कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट साथ सुनाते हैं।<br><br>कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं। | • अभिनय से अधिगम - कल्पना कीजिए कि भालू या कोई अन्य जानवर आपकी कक्षा में आया है तो आप उनसे क्या बातचीत करेंगे?कक्षा में इसका अभिनय करके दिखाओ।<br>• अनुभवात्मक अधिगम - शिक्षक बोर्ड पर एक पौधा व उसकी जड़ें बनाएँगे तथा सब्जियों के चित्र कक्षा में रखेंगे। बच्चे जड़ों वाली सब्जियों के चित्र जड़ पर तथा तने वाली सब्जियों के चित्र को तने पर चिपकाएँगे।<br>  • कौशल विकास -<br>  • बच्चे कहानी का अंत अपने शब्दों में लिखें।<br>  • बच्चों को कल्पनात्मक लेखन के लिए कहें जैसे - वे यदि किसान की जगह होते तो क्या करते? |
| 15 | **अक्टूबर -दिसंबर** | भारत | अपनी भाषा गढ़ने (नए शब्द/वाक्य/अभिव्यक्तियाँ | तरह-तरह की रचनाओ/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, शिक्षक | • अनुभवात्मक अधिगम- बच्चे शब्द पिटारे में से द्विअर्थी शब्द निकालकर |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर हों।<br><br>अपना परिवार, विद्यालय, मोहल्ला, खेल का मैदान, गाँव की चौपाल जैसे विषयों पर अथवा स्वयं विषय का चुनाव कर अनभुवों को लिखकर एक-दूसरे से बाँटने के अवसर हों। | एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक/लिखित रूप से) देते हैं।<br><br>अलग-अलग तरह की रचनाओ में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ सुनिश्चित करते हैं। | उनके अर्थ बताएंगे एवं उन पर वाक्य बनाएंगे।<br>● कला एकीकृत अधिगम - रंग-बिरंगे कागजों से अपने लिए एक मुकुट बनाएं।<br>● **कौशल विकास -**<br><br>बच्चे भारत से जुड़ी वे पाँच बातें जो उन्हें पसंद हैं लिखें।<br>कक्षा लाइब्रेरी से लोक कथाओं की पुस्तक चुन कर पढ़ें \| |
| 16 | **जनवरी-फ़रवरी** | चंद्रयान | अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हों।<br><br>हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनाने /प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने, प्रतिक्रिया देने के अवसर उपलब्ध हों। | सुनी हुई रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, अपनी प्रतिक्रिया देते हैं, राय बताते हैं/अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं।<br><br>आस-पास होने वाली गतिविधियों/ घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनभुवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं।<br><br>तरह-तरह की कहानियों, कविताओं /रचनाओं की भाषा की बारीकियों (जैसे– शब्दों की पुनरावृत्ति, संज्ञा, सर्वनाम, विभिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करते हैं। | ● अभिनय से अधिगम - अलग अलग व्यवसायों के बारे में उस व्यवसाय से सम्बंधित सामग्री की सहायता से प्रदर्शन करो। जैसे अध्यापक के पास चाक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।<br>● कल्पनात्मक अधिगम - बच्चों की कल्पना के विकास हेतु उनसे कुछ प्रश्न पूछें। (जैसे - यदि आप चाँद पर जाएँगे तो क्या-क्या सामान अपने साथ लेकर जाएँगे ?) |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समचित स्थान मिल सकेगा और उनके शब्द-भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे। | अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर अपनी प्रतिक्रिया लिखते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (लिखित/ ब्रेल लिपि आदि में) देते हैं। | • **चंद्रयान की कहानी का अपने शब्दों में पुनःकथन करवाएँ।** |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 17 | **जनवरी-फ़रवरी** | बोलने वाली माँद | तरह-तरह की कहानियों, कविताओं, पोस्टर आदि को चित्रों और संदर्भ के आधार पर समझने-समझाने के अवसर उपलब्ध हों।<br><br>सुनी, देखी बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में लिखने के अवसर हों।<br><br>अपनी भाषा गढ़ने (नए शब्द/वाक्य/अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर हों। | कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।<br><br>कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं। | • अभिनय से अधिगम - सियार/ शेर का मुखौटा बनाएँ व उसका रोल प्ले कक्षा में करें।<br>• अनुभवात्मक अधिगम - शिक्षक कक्षा में एक पर्ची पिटारा बनाएँ पर्ची पर एक शब्द लिखा होगा। बच्चे उसका उलटा शब्द बताएँगे। (उजाला – अँधेरा)<br>कौशल विकास -<br>• बच्चे कहानी का संक्षिप्त सार अपने शब्दों में लिखें।<br>• "अगर मैं माँद होता तो..." विषय पर एक वाक्य लिखें।<br>• कहानी का अंत बच्चे अपने अनुसार लिखकर साझा करें। |
| 18 | **जनवरी-फ़रवरी** | हम अनेक, किंतु एक | हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनाने /प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने, प्रतिक्रिया देने के अवसर उपलब्ध हों। | कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट साथ सुनाते हैं। | • अनुभवात्मक अधिगम - बच्चे अपनी स्थानीय भाषा में 5 पंक्तियां कक्षा में बोलेंगे तथा अंत में चर्चा की जा सकती है कि किस तरह सभी अलग होकर भी एक जैसे हैं।<br>• कला एकीकृत अधिगम - अनेकता में एकता पर कोई गीत कक्षा में कराएँ।<br><br>**कौशल विकास —** |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समचित स्थान मिल सकेगा और उनके शब्द-भंडार, अभिव्यक्ति का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे। | | • कविता के नए शब्दों से वाक्य बनाने को कहें।<br>• बच्चों से पूछें कि वे समूह में कैसे एक साथ रहते हैं, इस पर दो-तीन वाक्य लिखें।<br>• अपने मूल स्थान के प्रसिद्ध व्यंजन को घर से बनवाकर ला सकते हैं और कक्षा सामूहिक लंच का आयोजन कर सकते हैं। |

नोट- उपर्युक्त पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति के साथ वार्षिक परीक्षा से पहले पूर्ण हो जाना चाहिए। (पुनरावृत्ति फ़रवरी में शुरू हो जानी चाहिए।)